Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding inclusion of certain castes of Uttar Pradesh in the list of Scheduled Castes/Scheduled Tribes-laid.

श्री रविन्दर कुशवाहा (सलेमपुर): मैं इस सदन का ध्यान अत्यन्त महत्वपूर्ण व गंभीर विषय की ओर आकृष्ट करना चाहूंगा । मेरे संसदीय क्षेत्र सलेमपुर सहित पूरे उ0प्र0 के लगभग हर जिलों में तुरहा, तुरैया, खरवार, कमकर, गोड़, पाल, भेड़िहार और धनगड़ जाति के लोग रहते है । आजादी के 70 वर्षों बाद भी इन जातियों को आज तक स्थायी जाति का दर्जा नही मिल सका, इन जातियों के साथ अजीब विडम्बना है कि ये कभी किसी जिले में अनुसुचीत जाति मे तो किसी जिले में पिछड़े अति पिछड़े जाति में रखा जा है, और कभी-2 तो एक ही जिले के अलग-2 तहसीलों में अलग-2 जाति में रखा जाता है । इन जातियों को कभी जाति प्रमाण पत्र जारी किया जाता है और कभी जाति प्रमाण पत्र जारी नही किया जाता है, कभी एक ही जिले के एक तहसील में इनका प्रमाण पत्र जारी किया जाता है और एक तहसील में नही किया जाता है । इस परिस्थिति में ये लोग किसी जाति में नही रह जाते जिस कारण आज के युवा नौजवानों को पढ़ाई के लिए विद्यालयों में दाखिला नही मिल पाता है और ना ही सरकारी नौकरी मिल पा रही है, जिस कारण ये लोग अपने आप को ठगा हुआ महसूस करते हैं । मैं इस मान्य सदन के माननीय सामाजिक नयाय और अधिकारिता मंत्री एवं जनजातीय कार्य मंत्री जी से मांग करता हूं कि तुरहा, तुरैया, धनगड़, पाल, भेड़िहार, को अनुसूचित जाति और गोड़ खरवार, और कमकर जाति के लोंगो को अनुसूचित जनजाति में शामिल करते हुये इनको स्थायी प्रमाण पत्र जारी कराने की कृपा करें ।